‘सक्रयि दवा सामग्री’ के वैकल्पकि स्रोतों की तलाश

प्रीलम्सि के लयि:

सक्रयि दवा सामग्री

मेन्स के लयि:

स्वास्थ्य क्षेत्र पर COVID-19 का प्रभाव

चर्चा में क्यों?

हाल ही में COVID-19 की महामारी के कारण चीन से आयात की जाने वाली ‘सक्रयि दवा सामग्री’ (Active Pharmaceutical Ingredient-API) की आपूर्तप्रिभावति होने के बाद सरकार ने अन्य देशों में भारतीय मशिनों/दूतावासों को API के वैकल्पकि स्रोतों की तलाश करने के नर्दिेश दयि हैं।

मुख्य बदिु:

- भारत में आयात होने वाली कुल थोक दवाओं का 70% चीन से आयात कयिा जाता है।
- ध्यातव्य है कचिीन में COVID-19 की महामारी के कारण चीन से आयात की जाने वाली सक्रयि दवा सामग्री (API) की आपूर्तबािधति हुई है।

‘सक्रयि दवा सामग्री’ (Active Pharmaceutical Ingredient-API):

वशि्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, कसिी रोग के उपचार, रोकथाम अथवा अन्य औषधीय गतविधिकि लयि आवश्यक दवा के नर्माण में प्रयोग होने वाले पदार्थ या पदार्थों के संयोजन को ‘सक्रयि दवा सामग्री’ के नाम से जाना जाता है।

- चीन से आयात की जाने वाली कुल सक्रयि दवा सामग्री (API) का 18% चीन के हुबेई (Hubei) प्रांत से आता है।
- रसायन और उर्वरक मंत्रालय के आँकड़ों के अनुसार, वर्ष 2017-19 के बीच एंटीबायोटकि दवाओं के लयि चीन से आयात की जाने वाली API की मात्रा में दोगुनी वृद्धहिुई है।
- हाल ही में **वदिेश व्यापार महानदिेशालय (Directorate General of Foreign Trade- DGFT)** देश में API की कमी को देखते हुए 13 ऐसे API और उनसे तैयार दवाइयों के नर्यात पर रोक लगा दी है।
- नर्यात के लयि प्रतबिंधति दवाओं में पैरासीटामॉल, वटिामनि बी-6, वटिामनि बी-12, प्रोज़ेस्टेरॉन, ऐसीक्लोवरि आदशिामलि हैं।

API के अन्य स्रोत और उनकी चुनौतयिाँ:

- भारत में चीन के अतरिक्ति कुछ अन्य देशों जैसे- हॉन्गकॉन्ग, जापान, बेल्जयिम, फ्राँस, अमेरकिा, इटली, थाईलैंड और नीदरलैंड आदसि भी API का आयात कयिा जाता है।
- हालाँकवितर्मान में इटली के साथ वशि्व के कई अन्य देश COVID-19 की महामारी से गंभीर रूप से प्रभावति हुए हैं, ऐसे में ये देश आने वाले कुछ दनिों तक भारत की आवश्यकता के अनुरूप API का नर्यात करने में सक्षम नहीं होंगे।
- इसके अतरिक्ति ये देश केवल मधुमेह-रोधी (Anti-diabetic) और उच्च रक्तदाब रोधी (Anti-hypertension) जैसी दवाइयों के उत्पादन लयि आवश्यक API उपलब्ध करने में ही सक्षम होंगे।

भारत सरकार के प्रयास:

- **भारत सरकार द्वारा API के लिये चीन पर भारत की निर्भरता को कम करने हेतु वर्ष 2015 में स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग (Department of Health Research-DHR) के सचिव वी. एम. कटोच. की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया था।**
- समिति ने अपनी रिपोर्ट में API की आपूर्ति के लिये अन्य देशों पर भारत की निर्भरता को कम करने हेतु देश में API के उत्पादन को बढ़ावा मेगा फूड पार्क की स्थापना करने का सुझाव दिया था।
- वर्ष 2020 में ही देश में API के स्टॉक की उपलब्धता की समीक्षा करने के लिये रसायन और उर्वरक मंत्रालय के **औषध विभाग (Department of Pharmaceuticals- DoP)** के तहत एक पैनल का गठन किया गया है।
- **API के वैकल्पिक स्रोतों की तलाश हेतु भारत सरकार की पहल के बाद 6 देशों में भारतीय मिशनों/दूतावासों ने संभावित आपूर्तिकर्त्ताओं की सूची निर्यात संवर्द्धन परिषदों (Export Promotion Councils) से साझा की है।**

अन्य प्रयास:

- भारतीय फार्मास्युटिकल एलायंस (Indian Pharmaceutical Alliance -IPA) महासचिव के अनुसार, API पर निर्भरता के मामले में एंटीबायोटिक्स और विटामिन जैसे किण्वन आधारित उत्पादों (Fermentation-Based Products) का मुद्दा प्रमुख है, जिन पर चीन का प्रभुत्त्व है।
- आने वाले दिनों में फार्मास्युटिकल क्षेत्र में देश की सभी कंपनियाँ चीन के अलावा अन्य देशों में API के वैकल्पिक स्रोतों की जाँच करेंगी, यह पहल आपूर्ति शृंखला के विकेंद्रीकरण और स्वास्थ्य सुरक्षा के लिये बहुत ही आवश्यक है।
- IPA महासचिव के अनुसार, भारत को API के उत्पादन में आत्मनिर्भरता विकसित करनी होगी और भारत सरकार द्वारा फार्मास्युटिकल क्षेत्र की कंपनियों के लिये पर्यावरण मंज़ूरी की तेज़ प्रक्रिया की पहल इस दिशा में एक सही कदम है।

निष्कर्ष: पिछले कुछ वर्षों से वैश्विक स्तर पर फार्मास्युटिकल क्षेत्र में दवाइयों के उत्पादन में भारत का महत्त्वपूर्ण योगदान रहा है, इसके साथ ही भारत इस क्षेत्र में एक बड़ा निर्यातक भी बन गया है। परंतु वर्तमान में भारतीय फार्मास्युटिकल कंपनियों को दवाइयों के उत्पादन में आवश्यक रसायनों और API के लिये अन्य देशों (विशेषकर चीन) पर निर्भर रहना पड़ता है। API की आपूर्ति के स्रोतों को विकेंद्रीकृत करने से भविष्य में विषम परिस्थितियों में भी API की निर्बाध आपूर्ति को सुनिश्चित किया जा सकेगा। API के उत्पादन के लिये स्थानीय क्षमता के विकास से दवाइयों की लागत में कमी आएगी और भविष्य में इस क्षेत्र में भी व्यावसायिक अवसरों का लाभ उठाया जा सकेगा।

स्रोत: द इंडियन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/directive-to-indian-missions-to-explore-alternative-api-sources